



## वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी

विद्यापीठाने निर्मिती केलेले सुधारीत व संकरीत वाणाबद्दल सर्व समावेशक व सविस्तर माहिती

| अ.क्र. | तपशील                            | सविस्तर माहिती                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
|--------|----------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| १      | पीक/वाणाचे नाव                   | कापूस : पीएच ३४८ (यमुना)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| २      | प्रसारीत केल्याचे वर्ष           | २००३                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                            |
| ३      | प्रसारीत करणारी संस्था/विद्यापीठ | वसंतराव नाईक मराठवाडा कृषि विद्यापीठ, परभणी                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                     |
| ४      | जमीन                             | मध्यम ते काळी                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| ५      | हवामान                           | उष्ण ते समशीतोष्ण, उबदार                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| ६      | पेरणी/लागवडीचा कालावधी           | कोरडवाहू : ७० - ८० मिमी पाऊस पडल्यानंतर<br>(१५ जुलैच्या अगोदर)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| ७      | प्रती एकर बियाणे                 | कोरडवाहू : ३.२ - ३.६ कि.ग्रॅ. प्रती एकर (८-९ कि.ग्रॅ. / हे.)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| ८      | पीक व्यवस्थापन                   |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
| १      | लागवडीचे/पेरणीचे व्यवस्थापन      | कोरडवाहू लागवड मॉन्सूनचा ७० ते ८० मिमी. पाऊस पडल्यानंतर करावी. कापसाची लागवड १५ जुलैनंतर करू नये.<br>लागवडीचे अंतर : कोरडवाहू - ६० X ३० सेंमी                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |
| २      | खत व्यवस्थापन                    | कोरडवाहू - ६०:३०:३० किग्रॅ नत्र, स्फुरद व पालाश / हेक्टर संपूर्ण स्फुरद व पालाश लागवडीच्या वेळी द्यावी. नत्राची मात्रा लागवडीच्या वेळी व १ महिन्यानंतर प्रत्येकी ५०% या प्रमाणात द्यावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| ३      | पाणी व्यवस्थापन                  | पीक वाढीच्या काळात पाऊसाचा खंड असल्यास उपलब्धतेनुसार पाते- फुले लागणे, बोंडे लागणे व बोंडे भरण्याच्या अवस्थेत पाणी द्यावे.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| ४      | कीड व्यवस्थापन                   | <b>रस शोषण करणाऱ्या किडी</b> (मावा, तुडतुडे व फुलकिडे)<br>व्यवस्थापन - निंबोळी अर्क ५% किंवा असिटामिप्रिड २५ एसपी २ ते ४ ग्रॅम किंवा थायमिथॉक्झाम २५ डब्ल्युजी २.५ ग्रॅम किंवा फ्लोनिक्वामीड ५० डब्ल्युजी ४ ग्रॅम<br><b>पांढरी माशी</b> —<br>ट्रायझोफॉस ४० ई सी १६-२० मिली किंवा अॅसिफेट ७५ एसपी ३० ग्रॅम किंवा डायफेन्थुरॉन ५० डब्ल्युजी ८ ग्रॅम<br><b>अळी</b> : ठिपक्याची बोंडअळी, हिरवी बोंडअळी, शेंदरी बोंडअळी व पाने खाणारी अळी<br>व्यवस्थापन- कार्बारील ५०% भुकटी ४० ग्रॅम किंवा प्रोफेनोफॉस ५० ईसी २० मिली किंवा थायोडीकार्ब ७५ डब्ल्युपी २० ग्रॅम किंवा स्पिनोसॅड ४५ एससी ४ मिली किंवा ईंडोक्झाकार्ब १४.५ ईसी १० मिली.<br>कीटकनाशकाचे प्रमाण प्रती १० लीटर पाणी नॅपसॅक पंपासाठी. पावर स्प्रेअरसाठी प्रमाण ३ पट वापरावे. |
| ५      | रोग व्यवस्थापन                   | दहिया- गंधक ३०० मेश भुकटी २० किग्रॅ / हेक्टर धुरळणी किंवा कार्बेन्डेझीम १० ग्रॅम प्रती १० ली.                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                   |

|    |                                 |                                                                                                                                     |
|----|---------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|    |                                 | <p>मर रोग- कॉपर ऑक्झीक्लोराईड २५ ग्रॅम प्रती १० ली. प्रमाणात आळवणी</p> <p>बुरशीजन्य करपा- सुडोमोनास फ्लुरोसन्स ०.२ टक्के फवारणी</p> |
| ९  | पिकाचा कालावधी                  | १५५-१६५ दिवस                                                                                                                        |
| १० | उत्पादकता                       | कोरडवाहू : १६ - १७ किं. / हे. (६.४ — ६.८ किं. / एकर)                                                                                |
| ११ | वाणाची वैशिष्ट्ये/विशेष गुणधर्म | <p>१) बोंडाचा आकार मोठा</p> <p>२) धाग्याची लांबी व रुईचा उतारा अधिक</p> <p>३) आकस्मीक मर रोगास प्रतीकारक</p>                        |
| १२ | वाणासंबंधीचे छायाचित्रे         |                                                  |